वाटिकन रेडियो eसमाचार

सत्य, शांति, सद्भावना व वार्ता को समर्पित 458 वाँ अंक 7 मई, 2011 शनिवार

7 मई, 2011 शनिवार

मुख्य समाचार

- स्विस सुरक्षा दस्ते के सैनिकों और उनके परिजनों के लिए संत पापा का संदेश - 1
- स्विस सुरक्षा बल में 34 नये सैनिक - 2
- पूजनधर्मविधि पर 9 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों के लिए संत पापा का संदेश - 3
- डिजिटल दुनिया में सुसमाचार प्रचार चुनौती है - 4

स्विस सुरक्षा दस्ते के सैनिकों और उनके परिजनों के लिए संत पापा का संदेश

जोसेफ कमल बाड़ा

वाटिकन सिटी 6 मई सेदोक) संत पापा बेनेडिक्ट 16 वें ने पोंटिफिकल स्विस गार्डस में 34 नये सैनिकों को 6 मई को शामिल किये जाने के अवसर पर धर्माध्यक्षों, सैन्य कमांडेट, स्विस सुरक्षा बल के अधिकारियों, सैनिकों तथा नये सैनिकों के अभिभावकों, संबंधियों और मित्रों को क्लेमंतीन सभागार में सम्बोधित किया।

उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति न केवल परमधर्मपीठ के साथ स्विस काथलिकों के संबंध और बंधन को लेकिन शिक्षा, नैतिक शिक्षा और अच्छे उदाहरण को भी दिखाती है जिसके द्वारा अभिभावक अपने बच्चों को मसीही विश्वास और निःस्वार्थ सेवा के लिए भेजते हैं।

संत पापा ने परमधर्मपीठीय स्विस गार्डस के गौरवपूर्ण इतिहास पर दृष्ट डालते हुए उस घटना का स्मरण किया जिसे सैक औफ रोम के नाम से जाना जाता है।

उन्होंने आध्यात्मिक लूट को भौतिक लूट से अधिक खतरनाक बताते हुए कहा कि आज के सामाजिक संदर्भ में अनेक युवा खतरों का सामना कर रहे हैं।

भौतिक जरूरतों को पूरा करनेवाले आदर्शों और अभिगमों के कारण क्रमिक रूप से आत्मिक पतन हो रहा है। संत पापा ने सैनिकों और उनके परिजनों से कहा कि रोम प्रवास के दौरान इस शहर द्वारा अर्पित विभिन्न संभावनाओं से लाभ उठायें और अपने जीवन को ठोस गहराई प्रदान करें।

यह शहर इतिहास, संस्कृति और विश्वास में समृद्ध है इसलिए मौके का पूरा सदुपयोग करते हुए अपने सांस्कृतिक, भाषाई और सबसे अधिक आत्मिक क्षितिज को व्यापक बनायें।

इटरनल सिटी में बिताया गया समय उनके जीवन का अति विशिष्ट पल हो। इसे यथार्थ बंधुत्व की भावना में जीयें, आदर्श मसीही जीवन जीने के लिए एक दूसरे की सहायता करें जो उनके विश्वास और कलीसिया में उनके अद्वितीय मिशन के संगत है।

संत पापा ने सैनिकों से कहा कि अपने शपथ को दुहराते या कहते समय ख्रीस्त के प्रकाशमान चेहरे पर विचार करें जो उन्हें सच्चे इंसान और सच्चे ईसाई बनने के लिए बुलाते हैं।

ख्रीस्त का दुःखभोग, मृत्यु और पुनरूत्थान आह्वान करता है कि वे जीवन की बाधाओं और चुनौतियों का प्रौढ़तापूर्वक सामना करें।

संत पापा ने सैनिकों से कहा कि उनकी सेवा वाटिकन सिटी के अंदर शांत और सुरक्षित दैनिक जीवन तथा धार्मिक और आध्यात्मिक अभिव्यक्तियों के लिए बहुत सहायक है।

स्विस दस्ते द्वारा अर्पित सेवा के लिए कृतज्ञता प्रकट करते हुए संत पापा ने सैनिकों से कहा कि उनका काम सुरक्षा देने से सहित वाटिकन आनेवाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों का उदारता और शिष्टतापूर्वक स्वागत करना है।

इस काम के लिए सजगता, प्रेम और परवाह की भावना बहुत महत्वपूर्ण है तथा बहुधा धैर्य, निरंतरता और सुनने की इच्छा की जरूरत होती है।

उनकी कामना है कि ईसाईयत के गढ़ में संत पेत्रुस के उत्तराधिकारी से मिलने तथा प्रेरितों की समाधि के दर्शन के लिए आनेवाले असंख्य विश्वासियों का आगमन सैनिकों के जीवन के आध्यात्मिक पहलू को और अधिक सघन बनाने तथा निजी मसीही विश्वास को गहन बनाने के समर्पण के लिए प्रेरणा प्रदान करे।

वे अपने जीवन के द्वारा इसका सानन्द साक्ष्य दें। संत पापा ने स्विस सुरक्षा बलके सैनिकों को अपनी प्रार्थनाओं का आश्वासन देते हुए उन्हें प्रेरितिक आशीर्वाद प्रदान किया।

स्विस सुरक्षा बल में 34 नये सैनिक

जोसेफ कमल बाड़ा

वाटिकन सिटी 6 मई, 2011 (वीआर अंग्रेजी) 6 मई 1527 को सैक ओफ रोम या रोम की घेराबंदी के समय संत पापा क्लेमेंट सप्तम की रक्षा करते हुए 147 स्विस गार्डस शहीद हो गये थे।

रोम के सैनिकों तथा स्विस सुरक्षा दस्ते के सैनिकों ने सम्राट चार्ल्स पंचम की सेना के विरूद्ध वीरतापूर्वक संघर्ष किया था।

उस युद्ध में संत पेत्रुस बासिलिका की सीढियों में अनेक स्विस गार्डस ने अपने प्राण खो दिये तथा केवल 42 सैनिक बचे थे। उनकी वीरता के परिणामस्वरूप संत पापा क्लेमेंट सप्तम सुरक्षित स्थान पहुँच सके थे।

6 मई स्विस सुरक्षा बल के इतिहास में महत्वपूर्ण दिवस है। इसी दिन संत पापा के सुरक्षा दस्ते में नये सैनिकों को शामिल किया जाता है।

समारोह की शुरूआत गुरूवार संध्या को वाटिकन सिटी के अंदर स्थित ट्यूटेनिक कब्रिस्तान के समीप कैम्पो सान्तो के सान्ता मरिया चर्च में संध्या प्रार्थना के साथ शुरू हुई। इसमें सुरक्षा दस्ते के कमांडर कर्नल दानियल आनरिग तथा नये सैनिकों और उनके परिजन शामिल हुए।

शुक्रवार 6 मई को सुरक्षा दस्ते की वर्षगाँठ के दिन वाटिकन राज्य सचिव कार्डिनल तारचिसियो बेरतोने ने सैनिकों और उनके परिजनों के लिए समारोही ख्रीस्तयाग अर्पित किया।

अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि स्विस सुरक्षा दस्ते के सैनिकों का काम महान जिम्मेदारी का है जिसके लिए साहस, उदारता, मानवता तथा निष्ठा की जरूरत है।

ख्रीस्तयाग के बाद सैनिक कोर्टयाड औफ ओनर में एकत्र हुए जहाँ कर्नल आनरिग ने शहीद सैनिकों की स्मृति में निर्मित स्मारक पर फूलों की माला अर्पित किया।

महाधर्माध्यक्ष फेरनान्दो फिलोनी ने सुरक्षा बल के कुछ सदस्यों को पदक प्रदान किये तथा प्रेरितिक प्रासाद के संत दामासो प्रांगण में 34 नये सैनिकों को शपथ दिलायी।

पूजनधर्मविधि पर 9 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों के लिए संत पापा का संदेश

जोसेफ कमल बाड़ा

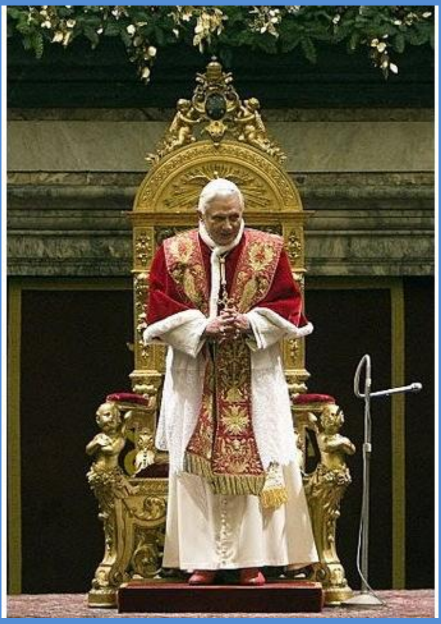

संत क्लेमेंतीन सभागार में
संत पापा बेनेदिक्त सोलहवं

वाटिकन सिटी 6 मई वीआर अंग्रेजी) संत पापा बेनेडिक्ट 16 वें ने पूजनधर्मविधि पर सम्पन्न हो रहे 9 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों को शुक्रवार को सम्बोधित किया।

इसका आयोजन पोंटिफिकल लिटरजिकल इंस्टीच्यूट सेंट आनसेल्मो द्वारा अपनी स्थापना के 50 वें वर्ष में किया जा रहा है। वाटिकन स्थित प्रेरितिक प्रासाद के क्लेमेंतीन सभागार नें सम्मेलन के प्रतिभागियों का अभिवादन करते हुए संत पापा ने सम्मेलन के शीर्षक “the Pontifical Liturgical Institute Between memory and prophecy." पर अपने विचार व्यक्त किये।

उन्होंने ‘प्रोफएसी’ अर्थात ‘नबूवत करना’ शब्द पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शब्द का अर्थ नये क्षितिजों को खोलने के नजरिया है तथा पूजनधर्मविधि या लिटरजी को यदा कदा सुधार की वस्तु समझा जाता है न कि ऐसा कर्ता जो ख्रीस्तीय जीवन को नवीकृत करने में सक्षम है।

संत पापा ने मेमोरी या याद शब्द के बारे में कहा कि पोंटिफिकल लिटरजिकल इंस्टीच्यूट की स्थापना के साथ ही पिछले 50 वर्षों में पवित्र आत्मा की प्रेरणा से मिले प्रचुर फलों का स्मरण करना महत्वपूर्ण है और इसके लिए हम सब भली चीजों के दाता के प्रति धन्यवादी हों।

संत पापा ने आगे कहा कि येसु के पौरोहितिक मिशन का अभ्यास इंस्टीच्यूट के सदस्यों और अध्यक्ष के जीवन का अभिन्न अंग है।

संत पापा ने कहा कि संत अनसेल्मो इंस्टीच्यूट में दिये जा रहे प्रशिक्षण के लिए कृतज्ञ हों कि बहुत बड़ी संख्या में इस संस्थान के स्नातक विश्व के विभिन्न भागों में कलीसिया को प्रमुख सेवा दे रहे हैं और पूजनधर्मविधि को प्रार्थना में कलीसिया की अभिव्यक्ति के रूप में जीने के लिए लोगों की सहायता कर रहे हैं।

संत पापा ने यह आशा व्यक्त की कि पवित्र पूजनधर्मविधि का यह विद्यालय समृद्ध और बहुमूल्य परम्परा के प्रति पूरी निष्ठा तथा वाटिकन द्वितीय महासभा द्वारा इच्छित पूजनधर्मविधि सुधार के अनुरूप कलीसिया को अपनी सेवा देना जारी रखेगा।

महाधर्माध्यक्ष क्लाउदियो चेली

डिजिटल दुनिया में सुसमाचार प्रचार चुनौती है

जोसेफ कमल बाड़ा

रोम 5 मई जेनित) सामाजिक सम्प्रेषण संबंधी परमधर्मपीठीय समिति के अध्यक्ष महाधर्माध्यक्ष क्लाउदियो चेली ने कहा कि कम्यूनिकेशन टेकनोलोजी वाली दुनिया में सुसमाचार प्रचार करना सबसे बड़ी चुनौती है जिसका आज वाटिकन सामना कर रहा है।

इताली काथलिक एक्शन द्वारा आयोजित एकदिवसीय अध्ययन दिवस के प्रतिभागियों को म्बोधित करते हुए महाधर्माध्यक्ष चेलली ने कहा कि नयी टेक्नोलोजी हमारे सामने अकल्पनीय संभावनाएँ रख देती हैं।

वाटिकन कदम बढ़ा रहा है ताकि उन चुनौतियों का सामना कर सके। विगत सोमवार को ब्लागर्स और टिविटर का उपयोग करनेवालों की बैठक आयोजित की गयी थी।

महाधर्माध्यक्ष चेल्ली ने इंगित किया कि विश्वास या धर्म की रक्षा करते समय ब्लागर्स संवाद करने या वार्ता कायम करने में असमर्थ नहीं हों लेकिन ऐसी भाषा का प्रयोग करने की जरूरत है जो सबके द्वारा समझी जाये।

जोसेफ कमल बाड़ा | जुलयट जेनेविव क्रिस्टफ़र | जस्टिन तिर्की ये.स.

कुछ महत्वपूर्ण वेबसाइटस्

http://www.radiovaticana.org (संत पापा का रेडियो 45 भाषाओं में)

http://www.youtube.com/vatican (यू ट्यूब में संत पापा)

http://www.zenit.org/english/gift.html (रोम की नज़र से विश्व)

For Private Circulation only

वाटिकन रेडियो के सामान्य कार्यक्रम

शनि संध्या- रवि प्रातः-रविवारीय धर्मग्रंथ एवं आराधना-विधि चिन्तन

रवि संध्या-सोम प्रातः- युवा कार्यक्रम नई दिशाएँ एवं साप्ताहिक कार्यक्रमःचेतना जागरण

सोम संध्या-मंगल प्रातः- रविवारीय देवदूत प्रार्थना से पूर्व दिया गया संत पापा का संदेश

मंगल संध्या-बुध प्रातः कलीसियाई दस्तावेज़ःएक अध्ययन

बुध संध्या-गुरु प्रातः- साप्ताहिक आमदर्शन समारोह में संत पापा का संदेश और श्रोताओं के पत्र

गुरु संध्या-शुक्र प्रातः-पवित्र धर्मग्रंथ बाईबिलःएक परिचय

शुक्र संध्या-शनि प्रातः- सामयिक लोकोपकारी चर्चा

प्रसारण की समाप्ति लगभग 6 मिनटों के कलीसियाई और लोकोपकारी समाचारों से होती है

हमारा पता

Regional office Hindi
Vatican Radio, Satya Bharati, P.B. 2,
Dr. Camille Bulcke Path, Ranchi, 843001
Jharkhand, India.
E-mail:- hindi@vatiradio.va

Rome
Vatican Radio, Indian Section,
00120 Vatican City.
Rome, Italy.
Email:- india@vatiradio.va
tamil@vatiradio.va, engindia@vatiradio.va
malayalam@vatiradio.va,
urdu@vatiradio.va

Vatican Radio Regional offices

Tamil & English
Loyola College. PB. No.3301,
Chennai 600 034 TN India,
vradioch@gmail.com

Malayalam
POC, PB. No. 2251, Palarivattom,
Kochi-682 025, Kerala, India,
vrkochi@gmail.com